व्यर्थ होते समय को बचाने के उपाय...

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

उन्हीं के द्वारा लिखे गए समय के ऊपर और उसमें भी विशेष संगम के समय के महत्व के बारे में उन्हीं के शब्दों में कुछ अंश यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं...

संगमयुग का यह अनमोल समय है। सारे कल्प में यह वही समय है जब हम भगवान से पूरा वर्सा लेने का पुरूषार्थ करके ऊंचे से ऊंचा भविष्य बना सकते हैं। इसका एक-एक क्षण कितना मूल्यवान है! अगर हम उसका सही रीति से उपयोग करें, प्रयोग करें तो मालामाल हो जाएं। अगर हम उसका उपयोग ठीक रीति से नहीं करें, गँवा दें तो कितना बड़ा नुकसान है! व्यक्ति आमतौर से कोई कार्य करता है तो देखता है कि इसके लाभ और हानि क्या हैं, जिसको हम निर्णय कहते हैं। निर्णय में माइनस और प्लस प्वाइंट सोचा जाता है। संगम का एक सेकण्ड, मिनट व्यर्थ गंवाने से कितना भारी नुकसान है! और फिर यह रिपीट(पुनरावृत्त) भी होता है। रिकरिंग लॉस है। फिर-फिर होने वाला नुकसान। यह नुकसान ऐसा है जो फिर-फिर होगा। एक दफा गँवा बैठे और आगे चलकर ठीक कर देंगे, ऐसा नहीं। गँवाया सो गँवाया हर कल्प, कल्प कल्पान्तर गँवाना पड़ेगा। भगवान का संग मिला, वह टीचर के रूप में मिला, सद्गुरू के रूप में मिला। वह पारलौकिक बाप हमें पारलौकिक वर्सा देने के लिए आया है। इतना प्यार से वह हमें मार्गदर्शन करता है, फिर हम उस समय को गँवा दें तो क्या कहेंगे? किन-किन बातों में हम अपना समय व्यर्थ गँवाते हैं- यह चर्चा करेंगे।

> "जिसे आप पढ़ रहे हैं, अपने आप को जिनकी शिक्षाओं से गढ़ रहे हैं तो उनके बारे में जानना भी ज़रूरी है। भ्राता जगदीशचन्द्र हसीजा ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य प्रवक्ता रहे। उन्हें सारे वेदों, शास्त्रों और आध्यात्मिकता की गहराई का ही सिर्फ ज्ञान नहीं था बल्कि वे उन भाग्यशाली आत्माओं में से एक थे जोकि स्वयं भगवान ने उन्हें चुना और साथ-साथ सृष्टि परिवर्तन के कार्य में अपना प्रमुख सहयोगी भी बनाया। वे जीवन में समय के सदुपयोग के ऐसे प्रबंधक थे जिन्हें जीवन का एक क्षण भी व्यर्थ गँवाना गंवारा नहीं था। जिन्होंने मिले हुए जीवन के प्रत्येक पल प्रभु के कार्य में अर्पण कर दिए। खुशी-खुशी से, कठिन से कठिन परमात्मा द्वारा रचे ईश्वरीय यज्ञ का हरेक कार्य इतना सहज और सहर्ष रूप से किया जो आज भी हम सबके सामने पदचिन्ह हैं। ऐसे परमात्मा के प्रभु प्रिय आदि रत्न की पुण्य तिथि पर हृदय की गहराईयों से भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।"

प्रभाव और उदासीनता से कोसों दूर रहना

इसमें हैं, इम्प्रेशन(प्रभाव), डिप्रैशन। उदासीनता एक विश्वव्यापी बीमारी है। बहुत लोग ऐसे हैं जो दिन में कई दफा डिप्रैस्सड होते हैं। अभी देखें तो ठीक हैं, खुश हैं परन्तु थोड़े समय के बाद देखें तो डिप्रैस्सड हैं। बार-बार ऐसा होता है। उसके कई कारण हैं। जब व्यक्ति यह सोच लेता है कि मैं किसी काम का नहीं। मैं बिल्कुल बेकार हूँ, निकम्मा हूँ। देखता है कि दूसरा व्यक्ति आगे निकल रहा है, उसकी वाह, वाह हो रही है, उसे कुछ लाभ हो रहा है, मैं क्या कर रहा हूँ! मैं किसी काम का आदमी नहीं हूँ। खुद ही खुद के लिए कहता है कि मेरे जैसा निरुपयोगी और कोई नहीं। आमतौर पर उर्दू में चिट्ठी में लिखते थे- नाचीज़। उस समय एक रिवाज़ जैसा था कि लोग अपने को कहते थे और लिखते थे कि नाचीज़। नाचीज़ माना मैं कुछ नहीं। मैं तो कुछ भी नहीं हूँ, दासों का दास हूँ। पाँव की धूल हूँ। कई लोग समझते हैं कि ऐसा कहना या ऐसा लिखना नम्रता है। लेकिन कुछ लोग अपने आपको अनुभव भी ऐसा करते हैं। ऐसी निकृष्ट भावना में चले जाते हैं। भक्तिमार्ग में माया से जो हार हमारी होती है उसका एक कारण यही है कि हम समझ बैठते हैं कि हम तो निकम्मे हैं, किसी काम के नहीं। हे प्रभु, आप ही हमारे ऊपर कृपा करो, हमें छुड़ाओ। हम तो नीच हैं, पापी हैं। ऐसे अपने को खुद गाली देते थे। यह हीन भावना की महसूसता है, आत्म विश्वास की कमी है। अब संगमयुग में यह उल्टा हो गया।

भगवान आकर कहते हैं, 'मीठे बच्चे, तुम तो इष्ट हो। देखो, तुम्हें आवाज़ सुनाई नहीं देती, तुम्हारे भक्त तुम्हें याद कर रहे हैं, पुकार रहे हैं? शान्तिदेवा, शान्तिदेवा कह रहे हैं। ये आप ही तो थे जिन्होंने उनको शान्ति दी थी।" भूत और भविष्य जो पुनरावृत्त होता है, बाबा वह बताते हैं। भूतकाल पुनरावृत्त होता है। इसीलिए कहते हैं भूत, भविष्य बनता है चक्र का सब राज़ समझाकर बाबा कहते हैं कि पहले तुम क्या थे! आप ही सृष्टि के आधारमूर्त हो, उद्धारमूर्त हो। बाबा फिर से हमारे में आत्म विश्वास जाग्रत करते हैं और उसका विकास कराते हैं। परन्तु हम कोई बात होने पर, कोई परिस्थिति आने पर अपना विश्वास खो बैठते हैं।

रघुवीरपुरी-अलीगढ़(उ.प्र.)। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ठाकुर रघुराज सिंह,अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री श्रम व सेवायोजन, प्रशांत सिंघल,महानगर महापौर, ब्र.कु. सुनीता तथा अन्य।

नागौर-राज.। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर,राजस्थान सरकार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अनीता, ब्र.कु. वसु तथा अन्य।

दिलशाद गार्डन-दिल्ली। 'खुशनुमा लाइफ जीने की कला-राजयोग' पर आयोजित आध्यात्मिक वार्ता के पश्चात् विधायक संजय गोयल,शाहदरा इलेक्ट्रॉनिक्स एरिया को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. इन्द्रा दीदी। साथ हैं प्रीति जी,क्रांतिकारी,दिलशाद कॉलोनी तथा अन्य।

राजापार्क-जयपुर(राज.)। नेशनल इंटीग्रेटेड टयूरिज़्म आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स द्वारा राजस्थान में संवेदना-2 अभियान का पोस्टर लॉन्च और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. पूनम दीदी,जयपुर सबज़ोन, प्रीतपाल सिंह पन्नों, धर्मेन्द्र जी, डॉ. अमिता सांघी तथा अन्य।

बिलावर-झारखंड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए विधायक सतीश शर्मा, ब्र.कु. संतोष, ब्र.कु. शुभ तथा अन्य।

पीतमपुरा-दिल्ली। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर केक कटिंग करते हुए राजयोगी ब्र.कु. आत्मप्रकाश,माउंट आबू, ब्र.कु. प्रभा बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

देहरा-हि.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. कमलेश व ब्र.कु. शिवानी को आध्यात्मिक और सामाजिक उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विधायक विक्रम ठाकुर व भाजपा मंडल जिला देहरा के विभिन्न मोर्चा की अध्यक्षा द्वारा सम्मानित किया गया।

मुआना-सफीदों(हरियाणा)। शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए जीएमएस डायरेक्टर ब्र.कु. भारत भूषण,पानीपत, ब्र.कु. भानु,माउंट आबू, ब्र.कु. कीर्ति, ब्र.कु. कंचन तथा अन्य।

रामकोला-फाज़िलनगर(उ.प्र.)।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. संजय,माउंट आबू। मौके पर उपस्थित रहे स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भारती बहन, ब्र.कु. सुनीता, पूर्व विधायक मदन गोविन्द राव, एस राज सिंह,जीएम त्रिवेणी चीनी मिल, डॉ. मनीषा,प्राचार्या,शिवदुलारी डिग्री कॉलेज तथा अन्य।

देहरादून-उत्तराखंड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तारा बहन, शशि चौहान,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, सोनिया वर्मा,पार्षद, चेल्सी शर्मा,अधिवक्ता तथा अन्य।

चिरकुंडा-झारखंड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कुल्टी मदद फाउंडेशन द्वारा महिला सम्मान समारोह में ब्र.कु. पिंकी व ब्र.कु. उषा को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।